हरिभूमि
# महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 15 जून 2026

11 धौलेड़ा में आर्य समाज की नई कार्यकारिणी का गठन...

11 बुजुर्गों की याद में लगाया रक्तदान शिविर...

## खबर संक्षेप

### ठगी मामले में 3 और आरोपित गिरफ्तार

**नारनौल।** साइबर थाना पुलिस ने पार्टटाइम जॉब का झांसा देकर 10 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए तीन और आरोपितों को कोटा राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सुमित वासी रामगंज मंडी जिला कोटा राजस्थान, हिमांशु वासी पीपाखेड़ी जिला कोटा राजस्थान, दीपक वासी चेचट जिला कोटा राजस्थान के रूप में हुई है, जिन्हें न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। आरोपितों ने साइबर ठगी के मामले में बैंक खाते उपलब्ध करवाए थे।

### भगोड़ा अवैध हथियार सप्लायर गिरफ्तार

**नारनौल।** सीआईए ने पिछले काफी समय से फरार चल रहे पीओ व अवैध हथियार सप्लायर को पंजाब के लुधियाना क्षेत्र से गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। जिसकी पहचान भारत निवासी कुल्ताजपुर के रूप में हुई है। वर्ष 2024 में पुलिस ने अवैध हथियार के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार किया था। जब पुलिस ने उस आरोपित से गहनता से पूछताछ की, तो उसने खुलासा किया कि उसे यह अवैध हथियार भारत निवासी कुल्ताजपुर ने ही सप्लाई किया था। सीआईए आरोपित को पकड़ने के लिए उसके सभी संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही थी।

### दवाओं के दाम बढ़ाकर दिया झटका : राव नरेंद्र

**नारनौल।** हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने आवश्यक दवाइयों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महंगाई से त्रस्त जनता पर यह एक और बड़ा प्रहार है। राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि कैंसर, टिटनस, घावों के उपचार तथा अन्य गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली अनेक दवाओं की कीमतों में 50 प्रतिशत तक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2021 से 2026 के बीच लगभग 900 आवश्यक दवाओं के दामों में 26 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है।

# नगर पालिका के डंपिंग प्वाइंट बंद करने के निर्णय के बाद भी लग रहे कूड़े के ढेर

**नगर पालिका ने बिना डस्टबीन रखवाए ही कर दी डंपिंग प्वाइंटों को बंद करने की घोषणा**

**शोरूमों, दुकानों व सरकारी कार्यालयों के साथ-साथ नगरपालिका के पास नहीं डस्टबीन**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नगर पालिका की ओर से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से शहर के सभी डंपिंग प्वाइंट बंद करने का निर्णय के बाद भी गंदगी के ढेर लगने शुरू हो गए हैं। नपा की ओर से बिना तैयारियों के ही यह निर्णय ले लिया है। कहीं भी डंपिंग प्वाइंटों पर डस्टबीन नहीं लगाए गए है। शहर में सिनेमा रोड, संतोषी माता मंदिर, बुचौली रोड, मोहल्ला सैनीपुरा, डुलाना रोड, भगवान परशुराम चौक, हुड्डा पार्क, बस स्टैंड के सामने सहित अन्य डंपिंग प्वाइंट को बंद करने का निर्णय लिया गया है। लेकिन डस्बीन नहीं होने के कारण आमजन इन डंपिंग प्वाइंटों पर ही कूड़ा डाल रहे हैं।

**महेंद्रगढ़।** शहर के एक मोहल्ले में लगा कूड़े का ढेर। *फोटो: हरिभूमि*

### डंपिंग प्वाइंट पर कूड़ा फेंकने पर लगेगा जुर्माना

बता दें कि नगर पालिका की ओर से डंपिंग प्वाइंट को बंद करने का निर्णय लिया गया है। डंपिंग प्वाइंट पर कूड़ा फेंकते हुए पाए जाने वाले व्यक्तियों पर पांच हजार रुपये तक का जुर्माना लगाने के आदेश भी जारी कर दिए हैं। अब खुले में कूड़ा डालने की व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त करने की योजना बनाई गई है। नई व्यवस्था के तहत नगर पालिका के कर्मचारी घर-घर जाकर कूड़ा संग्रह करेंगे। नागरिकों से अपील की गई है कि वे निर्धारित समय पर अपने घरों का कूड़ा संग्रहण वाहन को ही दें। इससे कचरा प्रबंधन व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी और सड़कों तथा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी कम होगी। नगर पालिका पार्षद भी अपने-अपने वार्डों में आमजन को डोर-टू-डोर कचरा वाहन में कूड़ा डालने व डंपिंग प्वाइंट पर कूड़ा न डालने के लिए जागरूक कर रहे हैं।

### ये बोले पार्षद

नगर पालिका वार्ड पार्षद राजेश सैनी ने कहा कि अस्पताल, होटल, परिषद, समारोह स्थल में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहन नहीं जाएगा। बल्कि उनको अलग-अलग डस्टबीन रखकर उसमें कूड़ा जमा करके वाहनों में डालकर आना होगा। इसके अलावा नगर पालिका की ओर से न तो डंपिंग प्वाइंटों पर डस्टबीन लगाए हैं और न शहर के बाजारों की डस्बीन हैं। नगर पालिका के अधिकारियों की ओर से दुकानदारों को डस्टबीन रखने के लिए जागरूक करना चाहिए, ताकि वे डस्टबीन में कूड़ा एकत्रित कर कूड़ा वाहन में डाले। एक-एक डस्टबीन डंपिंग प्वाइंटों पर लगाना चाहिए। आमजन कूड़ा डस्टबीन के अंदर डाल सके।

### स्वच्छता में हर किसी के योगदन की जरूरत

स्वच्छ शहर का निर्माण नपा प्रशासन और जनता की साझा जिम्मेदारी है। यदि सभी लोग निर्धारित नियमों का पालन करेंगे तो शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और प्रदूषण मुक्त बनाने के लक्ष्य को आसानी से हासिल किया जा सकेगा। आमजन डंपिंग प्वाइंटों की जगह डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन वाहन में डाले। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ चालान सहित अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी।

**-रमेश सैनी,** प्रधान, नगर पालिका, महेंद्रगढ़।

## 13 लाख घरों की जांच, 425 स्थानों पर मिला डेंगू मच्छर का लार्वा

# जिले में बारिश के साथ बढ़ा 'डेंगू का डंक', अब तक मिले 6 मरीज

- नागरिक अस्पताल में बनाया गया 8 बैड का विशेष डेंगू वार्ड, निजी अस्पतालों को भी जारी किए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिले में प्री मानसून की दस्तक के साथ मच्छरजनित डेंगू का खतरा बढ़ने लगा है। स्वास्थ्य विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष अब तक जिले में डेंगू के 6 मरीज मिल चुके हैं। मरीजों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सैंपलिंग, रक्त जांच और लारवा सर्वे अभियान को और तेज कर दिया है। विभाग की टीमें गांवों और शहरों में घर-घर जाकर बुखार के मरीजों की पहचान कर रही हैं तथा रक्त पट्टिकाएं (ब्लड स्लाइड) बनाकर जांच कर रही हैं।

उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग की ओर से जून माह को मलेरिया रोधी मास के रूप में मनाया जा रहा है। इसके तहत गांव स्तर तक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आशा वर्कर, मल्टीपरपज हेल्थ वर्कर और स्वास्थ्य कर्मी लोगों को घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने, कूलर साफ रखने तथा मच्छरों से बचाव के उपायों की जानकारी दे रहे हैं। विभाग द्वारा जिलेभर में बड़े स्तर पर लारवा जांच अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार इस वर्ष अब तक करीब 13 लाख घरों में लारवा की जांच की जा चुकी है। जांच के दौरान 425 घरों में डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर का लारवा मिलने पर संबंधित परिवारों को नोटिस जारी किए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों को भी निर्देश दिए हैं कि यदि किसी मरीज में डेंगू की पुष्टि होती है तो उसकी सूचना तुरंत विभाग को देना अनिवार्य होगी। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि केवल कार्ड टेस्ट के आधार पर डेंगू की पुष्टि नहीं मानी जाएगी। डेंगू की पुष्टि के लिए एलाइजा टेस्ट की रिपोर्ट को ही मान्यता दी जाएगी। डेंगू के मरीजों के उपचार के लिए नारनौल के नागरिक अस्पताल में विशेष व्यवस्था की गई है। अस्पताल में 8 बैड का अलग डेंगू वार्ड बनाया गया है। गंभीर मरीजों को आवश्यकता पड़ने पर आईसीयू सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके अलावा सरकारी अस्पतालों में डेंगू की जांच निशुल्क की जा रही है, जबकि निजी अस्पतालों और प्रयोगशालाओं में इसकी जांच के लिए सरकार द्वारा लगभग 600 रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है।

एमपीएचडब्ल्यू मुकेश कुमार ने बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है और दिन के समय अधिक सक्रिय रहता है। ऐसे में लोगों को घरों की छतों, कूलरों, गमलों, पुराने टायरों और पानी की टंकियों की नियमित सफाई करनी चाहिए। थोड़ी सी सावधानी बरतकर इस बीमारी से बचा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि यदि लोग प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

**नारनौल।** जिला नागरिक अस्पताल। *फोटो: हरिभूमि*

### डेंगू के प्रमुख लक्षण

- तेज बुखार (102 से 104 डिग्री तक)
- सिर और आंखों के पीछे दर्द
- शरीर व जोड़ों में तेज दर्द
- कमजोरी और थकान
- त्वचा पर लाल चकत्ते
- मतली और उल्टी
- प्लेटलेट्स की संख्या में कमी
- गंभीर मामलों में नाक या मसूड़ों से खून आना

### डेंगू एवं मलेरिया की वर्षवार स्थिति

| वर्ष | डेंगू | मलेरिया |
|---|---|---|
| 2026 | 6 | 0 |
| 2025 | 57 | 2 |
| 2024 | 62 | 5 |
| 2023 | 44 | 3 |
| 2022 | 72 | 3 |
| 2021 | 161 | 5 |

### डेंगू से बचाव और उपचार

- घर और आसपास पानी जमा न होने दें।
- कूलर, गमले और पानी की टंकियां नियमित साफ करें।
- पूरी बाजू के कपड़े पहनें और मच्छरदानी का उपयोग करें।
- बुखार होने पर तुरंत डॉक्टर से जांच कराएं।
- पर्याप्त मात्रा में पानी, जूस और तरल पदार्थ लें।
- बिना डॉक्टर की सलाह के दवा न लें।
- गंभीर लक्षण दिखने पर तुरंत अस्पताल में भर्ती हों।
- सरकारी अस्पतालों में डेंगू की जांच और उपचार की सुविधा निःशुल्क उपलब्ध है।

### यह बोले डीएमओ

जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) डॉ. मनीष यादव ने बताया कि सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार के नेतृत्व में जिलेभर में मलेरिया रोधी मास के तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार लारवा जांच, सैंपलिंग और जागरूकता गतिविधियां संचालित कर रही हैं। नागरिकों से अपील है कि वे घरों में पानी जमा न होने दें तथा बुखार होने पर तुरंत जांच करवाएं।

**नारनौल।** विरोध जताते व्यापारी। *फोटो: हरिभूमि*

# सड़क को ऊंचा करने का कार्य शुरू, व्यापारियों ने किया विरोध

- बोले: सड़क का स्तर बढ़ने से भारी वाहन व मालवाहक गाड़ियां अंडरपास से नहीं निकल पाएंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

शहर के नागरिक अस्पताल गेट के सामने स्थित रेलवे अंडरपास में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत दिलाने के लिए सड़क को ऊंचा करने का कार्य शुरू किया गया है। हालांकि इस कार्य का आसपास के व्यापारियों व उद्योग संचालकों ने आज से विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना है कि सड़क का स्तर बढ़ने से भारी वाहन व मालवाहक गाड़ियां अंडरपास से नहीं निकल पाएंगी, जिससे उनके कारोबार पर असर पड़ेगा। इसको लेकर वहां के व्यापारियों ने कुछ देर के लिए धरना भी दिया। दरअसल शहर में रेलवे के पांच अंडरपास बने हुए हैं। बरसात के मौसम में इनमें पानी भर जाने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार अंडरपासों में इतना पानी जमा हो जाता है कि आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। इसी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन ने अंडरपास के दोनों ओर सड़क का स्तर ऊंचा करने का कार्य शुरू किया है, ताकि बारिश का पानी अंडरपास में प्रवेश न कर सके। इसके निर्माण का काम भी शुरू हो गया है। काम शुरू होते ही नागरिक अस्पताल के सामने स्थित अंडरपास से जुड़े व्यापारियों व स्थानीय लोगों ने विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि सड़क पहले से ही ऊंची है तथा अब इसे और ऊंचा करने से उनकी गाड़ियों के नीचे लगे गार्डर व अन्य हिस्से अंडरपास से गुजरते समय अटक सकते हैं।

### गुजरते सैकड़ों वाहन

व्यापारियों ने कहा कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। आसपास तेल मिल, वेल्डिंग वर्कशॉप, फैक्ट्रियां व अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान संचालित हैं। व्यापारियों ने कहा कि प्रशासन को जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालना चाहिए, लेकिन ऐसा समाधान नहीं होना चाहिए, जिससे व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित हों। विरोध के दौरान कई व्यापारी मौके पर एकत्रित हुए तथा प्रशासन से सड़क की ऊंचाई बढ़ाने के निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की। वहीं निर्माण कार्य फिलहाल जारी है।

# सुरेंद्र राव के बयानों का सभा ने किया विरोध

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गौड़ ब्राह्मण सभा में रविवार को जिला स्तरीय बैठक का आयोजन सभा के प्रधान राकेश मेहता की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें महेंद्रगढ़ तहसील के गांव डुलाना निवासी सुरेंद्र सिंह राव की ओर से सोशल मीडिया पर जारी किए जा रहे वीडियो और पोस्टों का कड़ा विरोध किया गया। सभा ने सर्वसम्मति से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग उठाई। बैठक में नारनौल, महेंद्रगढ़, अटेली, कनीना और सतनाली क्षेत्र से बड़ी संख्या में गौड़ ब्राह्मण समाज के लोगों ने भाग लिया। वक्ताओं ने कहा कि सुरेंद्र राव द्वारा न्याय पालिका तथा विभिन्न सार्वजनिक व्यक्तित्वों के संबंध में की गई टिप्पणियां अनुचित एवं आपत्तिजनक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राव ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत की पेशेवर निष्ठा पर सवाल उठाए तथा न्यायमूर्ति एमएच लिब्रान के संबंध में भी अनुचित टिप्पणी की और कहा कि मेरे जवाब में उसने मेरे हक में फैसला कर दिया। उन्होंने अपने वीडियो में कानून मंत्री हंसराज भारद्वाज के समय कल का भी जिक्र किया और कहा कि टेलीफोन करके और धमक के प्रभावित करके फैसला करवाते थे, ऐसा कहना अनुचित है। सभा में वक्ताओं ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय राव वीरेंद्र सिंह दक्षिणी हरियाणा ही नहीं बल्कि देश के प्रतिष्ठित नेताओं में गिने जाते थे। उनके बारे में अपमानजनक भाषा का प्रयोग कर उनकी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसी प्रकार केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी भजनलाल व पूर्व शिक्षामंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा के संबंध में की गई टिप्पणियों को भी निराधार बताया गया।

**नारनौल।** गौड़ ब्राह्मण सभा में बैठक करते समाज के लोग।

# 5.33 करोड़ की लागत से 13 गांवों में बनेंगे 17 बोरवेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पेयजल समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 13 गांवों में 17 नए बोरवेल स्थापित किए जाएंगे। इन बोरवेलों के निर्माण पर करीब 5 करोड़ 33 लाख रुपये की लागत आएगी। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा इन कार्यों का एस्टीमेट तैयार कर भेज दिया गया है। यह कार्य संबंधित ग्राम पंचायतों की मांग तथा सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह की पैरवी के बाद स्वीकृति की प्रक्रिया में आगे बढ़ा है। गर्मी के मौसम में कई गांवों में भूजल स्तर नीचे जाने तथा पुराने जल स्रोतों की क्षमता कम होने के कारण ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को देखते हुए संबंधित पंचायतों ने नए बोरवेलों की मांग उठाई थी। पंचायत प्रतिनिधियों ने सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह से मुलाकात कर गांवों में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने की मांग रखी थी। इसके बाद सांसद ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों से बातचीत कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए थे। विभाग की ओर से तकनीकी सर्वेक्षण कराने के बाद 13 गांवों में कुल 17 बोरवेल लगाने का प्रस्ताव तैयार किया गया।

# फर्जी बिल बनाकर क्लेम लेने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

शहर के एक निजी अस्पताल पर इसीएचएस के माध्यम से फर्जी बिल बनाकर क्लेम लेने के गंभीर आरोप लगे हैं। गांव सेहलंग निवासी विनीत ने बताया कि उनके पिता राजकुमार भारतीय सेना से सेवानिवृत्त थे और डायबिटीज की बीमारी से पीड़ित थे। उनके पैर में घाव था, जिसकी नियमित ड्रेसिंग के लिए वे स्वयं वाहन चलाकर महेंद्रगढ़ स्थित एक निजी अस्पताल जाते थे। विनीत का आरोप है कि अस्पताल ने केवल ड्रेसिंग और सामान्य उपचार के बावजूद इसीएचएस के माध्यम से लगभग 23 से 24 लाख रुपये के फर्जी बिल बनाकर क्लेम कर लिए गए। उनका कहना है कि अस्पताल ने ऐसे रोग भी रिकॉर्ड में दर्शाए, जिनसे उनके पिता पीड़ित नहीं थे। विनीत के अनुसार, लगभग 13 से 14 महीनों के दौरान अलग-अलग समय पर उनके पिता को भर्ती दिखाकर लाखों रुपये के बिल तैयार किए गए। उन्होंने दावा किया कि संबंधित अवधि के दौरान उनके पिता अस्पताल में भर्ती नहीं थे और इसके समर्थन में उनके पास फोटो सहित अन्य साक्ष्य मौजूद हैं। साथ ही विनीत ने आरोप लगाया कि इसीएचएस नियमों के अनुसार मरीज या उसके प्राथमिक परिचारक के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं, लेकिन बिलों पर अलग-अलग हस्ताक्षर किए गए हैं, जो उनके पिता के वास्तविक हस्ताक्षरों से मेल नहीं खाते। मामले को लेकर विनीत ने हरियाणा मानवाधिकार आयोग, इसीएचएस मुख्यालय नई दिल्ली तथा केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि शिकायत के बाद मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया है और मामले की सुनवाई निर्धारित की गई है।

### चिकित्सक ने सभी आरोपों को निराधार बताया

विनीत ने आरोप लगाया कि यह केवल एक मरीज का मामला नहीं है, बल्कि बड़े स्तर पर आर्थिक अनियमितताओं और फर्जीवाड़े का हिस्सा हो सकता है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने और आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं अस्पताल के डॉक्टर ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें निराधार और गलत बताया है। उनका कहना है कि अस्पताल द्वारा सभी उपचार और बिलिंग प्रक्रिया नियमानुसार की गई।

# विकास कार्यों में घटिया निर्माण सामग्री की शिकायतों पर अमल करें अधिकारी : मंजू चौधरी

**नांगल चौधरी।** जिला योजना के अंतर्गत जिले की पंचायतों को बीडीपीओ की मार्फत बजट भेजा गया है। जिसमें नांगल चौधरी हलके के विभिन्न गांवों को करीब 250 लाख बजट मिलेगा। बजट पत्र के साथ विकास कार्यों की सूची संग्लन की गई है, पंचायतों को सूची के अनुसार ही सड़कों, गलियों, नालियों, सामुदायिक भवनों, पेयजल व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं पर बजट खर्च किया जाएगा। उक्त जानकारी नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी ने दी। उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलका राजस्थान से सटा हुआ है, जहां क्रैशर जोन तथा खनन के चलते वाहनों का दबाव सर्वाधिक है। अधिकांश गांवों की लिंक सड़कें टूटी हुई है तथा निजामपुर ब्लॉक के अधिकतर गांवों में पेयजल संकट बना हुआ है। कई गांवों में सामुदायिक भवन उपलब्ध नहीं, जिस कारण पंचायतों को परेशानी झेलनी पड़ती है। समाधान के लिए बीते महीने जिला योजना की मीटिंग में सांसद, स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव व प्रशासनिक अधिकारियों को हलके की समस्याओं से अवगत कराया था।

### जिला योजना के ब्लॉक वाइज अलॉट बजट

| ब्लॉक | बजटलाख रुपये |
|---|---|
| महेंद्रगढ़ | 212.71 |
| कनीना | 204.00 |
| नारनौल | 159.20 |
| अटेली | 138.59 |
| नांगल चौधर | 130.58 |
| सतनाली | 98.02 |
| निजामपुर | 91.27 |
| सिहमा | 82.63 |

## शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी डीईओ व डीईईओ को जारी किए निर्देश

# सरकारी शिक्षकों के लिए 'गुरु मित्र एप' अनिवार्य, स्कूल संचालक रखेंगे निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

हरियाणा विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने प्रदेश के सभी सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों के लिए गुरु मित्र ऐप को डाउनलोड कर नियमित रूप से उपयोग करने के निर्देश जारी किए हैं। इस संबंध में निदेशालय द्वारा सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी कर आवश्यक अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

विद्यालय शिक्षा निदेशालय हरियाणा की ओर से जारी पत्र के अनुसार गुरु मित्र ऐप एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित शैक्षणिक सहयोग मंच है, जिसे शिक्षकों की दैनिक शैक्षणिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को आसान बनाने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। पत्र में बताया गया है कि यह ऐप शिक्षकों को पाठ योजना तैयार करने, शिक्षण-अधिगम सामग्री बनाने, मूल्यांकन एवं परीक्षा संबंधी कार्य, शैक्षणिक कंटेंट निर्माण, कक्षा प्रबंधन तथा विभिन्न शैक्षणिक संसाधनों तक पहुंच उपलब्ध कराता है। इससे शिक्षकों की कार्यक्षमता और उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ शिक्षण प्रक्रिया में आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। निदेशालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों तथा सरकारी विद्यालयों के प्रधानाचार्यों एवं मुखियाओं को निर्देश दिए हैं कि वे अपने अधिकार क्षेत्र के प्रत्येक शिक्षक द्वारा ऐप डाउनलोड करवाकर उसका नियमित उपयोग सुनिश्चित करें।

### क्या कहते हैं डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी विश्वेश्वर कौशिक ने बताया कि 'एआई' आधारित इस पहल से शिक्षकों को शैक्षणिक कार्यों में सहायता मिलेगी और स्कूल शिक्षा में डिजिटल तकनीक के उपयोग को नई गति प्राप्त होगी।

# बिजली संकट पर वरिष्ठ नागरिकों ने भी जताई गहरी चिंता

**नारनौल।** वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में बने संगठन कार्यालय में प्रधान ढुलीचंद शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। परम्परानुसार जिन सदस्यों का जन्मदिन बैठक के माह में आता है, उन उपस्थित सदस्यों सोमप्रकाश अग्रवाल, हरिसिंह यादव और महेन्द्र कुमार वर्मा को सम्मान पट्ट पहनाकर सम्मानित किया गया और दीर्घायु होने की कामना की गई। बैठक में वरिष्ठ नागरिक रामजीलाल मित्तल ने बताया कि शहर में बिजली का संकट है। बिजली निगम द्वारा बार-बार अघोषित कट लगाए जा रहे हैं, जिससे इस भंयकर गर्मी मे विशेष कर गरीब परिवारों का जीना दूभर हो रहा है। इसलिए बिजली निगम से मांग है कि इस समस्या का निराकरण किया जाए। बीएल सैनी ने मांग की कि शहर की पुरानी अनाज मण्डी में भी अनाज आदि की खरीद जारी रखी जाए। उन्होंने यह भी बताया कि कई शहरों में दो-दो अनाज मण्डी हैं। सोहनलाल चौहान ने बताया कि नई बस्ती माली टिब्बा मौहल्ला में यादव हाई स्कूल के पास से जो गली जा रही है, उसके आखिरी छोर पर सीवर कई दिनों से ब्लॉक हो रहा है और गंदा पानी बह रहा है।

*कभी फूलों की तरह मत जीना,*
*जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे*
*जीना है तो पत्थर की तरह जियो,*
*किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।*
**- हरिवंश राय बच्चन**

कहानी

डॉ. मधुकांत

# पेपर आउट है

**खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था।**

मेधावी और अनुशासित छात्र सजल जब गांव के सीधे-सादे परिवेश से निकलकर शहर में कोचिंग करने आया, तो उसके माता-पिता ने अपनी गाढ़ी कमाई का एक-एक पैसा जोड़कर उसे इस उम्मीद से भेजा था कि वह डॉक्टर बनकर लौटेगा। शुरुआत में सजल हॉस्टल के कड़े अनुशासन में रहा। वह रोज घंटों किताबों में खोया रहता। यह परिश्रम कुछ ही महीनों का मेहमान साबित हुआ। उसी शहर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान में सजल की मुलाकात अपने ही जिले की अंकिता से हुई, जिसे वह पहले से जानता था।

दोनों ने ही दसवीं की बोर्ड परीक्षा में टॉप टेन में स्थान पाकर जिलाधिकारी से सम्मान प्राप्त किया था। रोज की मुलाकातें, एक ही बेंच पर बैठना और परीक्षा के तनाव को बांटना, धीरे-धीरे गहरे आकर्षण में बदल गया। हॉस्टल की दीवारें अब सजल को जेल जैसी लगने लगीं। अंकिता से बेरोकटोक मिलने के लिए उसने हॉस्टल छोड़ दिया और बाहर एक प्राइवेट कमरा ले लिया। अंकिता का भी वहां आना-जाना आम हो गया। जिस उम्र में करियर की मजबूत नींव रखी जानी चाहिए थी, उसमें दोनों पिकनिक मनाने, सिनेमाघरों और महंगे रेस्टोरेंटों में समय बिताने लगे। किताबें मेज पर धूल फांकती रहीं। उन्हें भ्रम था कि वे बुद्धिमान हैं और अंत में कुछ दिन पढ़कर परीक्षा निकाल लेंगे, पर प्रतियोगी परीक्षाओं की दुनिया एक दिन की लापरवाही भी बर्दाश्त नहीं करती। दो वर्ष का समय पानी की तरह बह गया। जब नीट का परिणाम आया, तो दोनों बुरी तरह असफल रहे। इसी बीच अंकिता के परिजनों को उनके प्रेम-संबंधों का पता चल गया। लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए।

अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया, लेकिन उसका अहंकार मरा नहीं था। वह पराजित होकर गांव नहीं लौटना चाहता था, जहां उसे पिता की मिठाई की दुकान संभालनी पड़ती या किसी स्कूल में मामूली वेतन पर पढ़ाना पड़ता। वह शहर की सुख-सुविधाओं का आदी हो चुका था और रातोंरात अमीर बनना चाहता था। उसने एक तिकड़मी साथी के साथ मिलकर शहर के मुख्य इलाके में एक पूरी बिल्डिंग किराए पर ली और 'अंकिता कोचिंग सेंटर' की शुरुआत की। इस कोचिंग का मुख्य आकर्षण पढ़ाई नहीं, बल्कि छात्रों को किसी भी कीमत पर पास कराने की सौ प्रतिशत गारंटी थी। यह आधुनिक शिक्षा की विडंबना थी कि जो सजल खुद नीट पास नहीं कर पाया था, उसने दो साल की नाकामी में परीक्षा प्रणाली की कमजोरियों और अनैतिक हथकंडों को बारीकी से सीख लिया था। उसे पता था कि कौन सा अधिकारी कहां बिकता है और परीक्षा केंद्रों पर सेटिंग कैसे होती है। जल्द ही उसका यह धंधा चल निकला।

*लोक-लाज के डर से अंकिता के घरवाले तुरंत शहर पहुंचे, सजल के कमरे से उसका सारा सामान समेटा और उसे बलपूर्वक गांव ले गए। अंकिता के जाने और परीक्षा में मिली हार ने सजल को तोड़ दिया।*

लेकिन पाप का घड़ा ज्यादा दिन नहीं टिकता। एक बड़ी राष्ट्रीय परीक्षा का पेपर आउट कराने के चक्कर में सजल और उसका पार्टनर रंगे हाथों पुलिस द्वारा पकड़ लिए गए। संस्थान पर ताला लग गया और दोनों जेल पहुंच गए। जेल जाने के बाद असली सामाजिक ढांचा सामने आया। सजल के रसूखदार पार्टनर के घरवाले तुरंत पैसा और वकील लेकर आए और अपने बेटे को छुड़ा ले गए। परंतु सजल के गरीब माता-पिता गांव में लोक-लाज के मारे मुंह छिपाए बैठे थे। ऐसे में सजल की जमानत उस बड़े सिंडिकेट ने करवाई जो पूरे देश में पेपर लीक करने का काला साम्राज्य चलाता था। गैंग के सरगना ने सजल की चालाकी और शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों को समझने की उसकी प्रतिभा को भांपकर उसे अपने गैंग का मुख्य मोहरा बना लिया। यह कोई छोटा गिरोह नहीं था, बल्कि पेपर आउट करके लाखों छात्रों के भविष्य को चंद रुपयों में बेचने वाला एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट था, जिसे देश के बड़े पूंजीपतियों, भ्रष्ट अधिकारियों और रसूखदार सफेदपोश नेताओं का संरक्षण प्राप्त था। हमारे विशाल देश में साल के बारह महीने कोई न कोई परीक्षा चलती ही रहती है। इन गोपनीय प्रश्नपत्रों को परीक्षा से चंद घंटे पहले आउट करना और अकूत अवैध धन कमाना इस सिंडिकेट का व्यवसाय बन चुका था।

इस सामूहिक खुशी के पीछे देश की शिक्षा व्यवस्था को लगा गहरा ग्रहण छिपा था। योग्य और प्रतिभावान गरीब छात्र इस व्यवस्था की चक्की में पिस रहे थे। सरकारें भी इस संकट से मुंह मोड़े बैठी थीं। इस फर्जीवाड़े से डिग्रियां पाकर युवा जुगाड़ में लग जाते थे, जिससे वे सड़कों पर उतरकर बेरोजगारी का वास्तविक आंकड़ा नहीं बढ़ाते थे और न ही नई नौकरियों की मांग करते थे। कागजों पर सब ठीक देखकर सरकार भी खुश रहती थी। जब कभी पेपर आउट होने की खबर मीडिया में आती, तो कुछ दिनों के लिए हंगामा मचता। विपक्षी दल सड़कें जाम करते, संसद में नारेबाजी होती और टीवी पर बहसें होतीं। जनआक्रोश शांत करने के लिए सरकार एक दिखावटी जांच कमेटी बना देती। पीड़ित छात्र और लाचार अभिभावक कुछ दिनों तक न्याय की उम्मीद में लाठियां खाते और अंत में अपनी किस्मत को कोसते हुए चुप होकर घर बैठ जाते। समय बीतने के साथ सब भुला दिया जाता और अगले साल फिर यही कहानी दोहराई जाती। सजल इस काले धंधे का मुख्य संचालक बनकर ऐश की जिंदगी जी रहा था, पर उसका इंसान पूरी तरह मरा नहीं था। इसी बीच उसे गांव से खबर मिली कि अंकिता ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हार नहीं मानी। उसने किसी कोचिंग के बिना, घर के एक छोटे से कमरे में खुद को बंद कर दिन-रात स्वाध्याय किया और इस सत्र की नीट परीक्षा शानदार अंकों के साथ पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेज में अपनी सीट पक्की कर ली।

सजल के लिए यह खबर एक करारे तमाचे जैसी थी। जिसके साथ उसने समय बर्बाद किया था, वह अपनी मेहनत से डॉक्टर बनने जा रही थी और वह खुद एक अपराधी बनकर छिपा फिर रहा था। इसके तुरंत बाद उसे एक और भयानक समाचार मिला। पिछली जिस परीक्षा का पेपर सजल के सिंडिकेट ने आउट किया था, उसकी तैयारी सजल का एक बेहद घनिष्ठ, गरीब मित्र सालों से कर रहा था। पेपर लीक होने के कारण जब परीक्षा रद्द हो गई, तो वह योग्य मित्र इस गहरे सदमे और गरीबी से हारकर फांसी पर झूल गया। मित्र की खुदकुशी की खबर से सजल हिल गया। वह छिपते-छिपाते मित्र के गांव पहुंचा। श्मशान घाट पर जलती चिता और बूढ़े माता-पिता का क्रंदन देखकर दूर खड़े सजल का कलेजा फट गया, क्योंकि इस मौत के पीछे कहीं न कहीं उसका ही सिंडिकेट था। जलती चिता के सामने सजल ने एक कठोर संकल्प लिया। उसने पाप की कमाई पर थूका और सिंडिकेट को हमेशा के लिए छोड़ दिया। उसने तय किया कि वह फिर से वही मेधावी सजल बनेगा और खुद अपनी मेहनत से नीट पास करेगा। उसने निश्चय किया कि जब तक वह योग्य डॉक्टर नहीं बन जाता, तब तक न अंकिता से मिलेगा और न माता-पिता को अपना कलंकित चेहरा दिखाएगा। सजल शहर के एक सुदूर कोने में छोटा सा कमरा लेकर रहने लगा। पूरे एक वर्ष तक उसने दिन-रात एक कर दिया। अंकिता की सफलता और मित्र की चिता को याद कर वह हर रोज अठारह-अठारह घंटे पढ़ाई करने लगा। हालांकि, व्यवस्था के दंश से डरा उसका मन आशंकित था, इसलिए उसने प्रशासनिक और कानूनी स्तर पर हर सुरक्षा पक्की कर ली ताकि परीक्षा में कोई विघ्न न आए। उसे पूरा विश्वास था कि अब उसकी तपस्या को सफल होने से कोई नहीं रोक पाएगा। परीक्षा शुरू हुई। तीन दिन तक पेपर बहुत शानदार गए। सजल के चेहरे पर एक साल की कड़ी मेहनत के बाद पहली बार एक पवित्र मुस्कान आई। उसे लगा कि उसके जीवन का अंधकार छटने वाला है और वह अंकिता तथा अपने माता-पिता के काबिल बनने वाला है। लेकिन चौथे दिन सुबह जैसे ही वह परीक्षा केंद्र की ओर बढ़ा, वहां अफरा-तफरी मची थी। पुलिस की गाड़ियां थीं और छात्र सड़कों पर रो-चिल्ला रहे थे। सजल को पता चला कि प्रथम पेपर परीक्षा शुरू होने से महज आधे घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर आउट हो गया था, जिसके कारण सरकार ने पूरी परीक्षा को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह सुनते ही सजल के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसकी आंखों के सामने अंधेरा छा गया और उसके भीतर भी उसी आत्मघाती अवसाद ने जन्म ले लिया जिससे उसका मित्र गुजरा था। उसका मन हुआ कि वह भी इसी वक्त आत्महत्या कर ले। लेकिन तभी, निराशा के घने कोहरे के बीच उसके अंतर्मन से एक चीख सुनाई दी। उसे अपना अतीत याद आया, जब वह खुद इस सिंडिकेट का हिस्सा था और अपनी तिजोरियां भरने के लिए पेपर आउट करता था, तब देश के कोने-कोने में बैठे न जाने कितने होनहार युवाओं का भविष्य इसी तरह एक झटके में अंधकार में डूब जाता था। आज जब वह खुद उस दर्द से गुजरा, तो उसे अहसास हुआ कि उसने अपने हाथों से कितने मासूमों के सपनों की हत्या की थी। खुद पीड़ित बनकर पेपर आउट होने की इस असहनीय पीड़ा, छात्रों के दारुण दुख और अभिभावकों की लाचारी ने सजल को अंदर तक पूरी तरह हिलाकर रख दिया था। उसे अब समझ आ गया था कि व्यवस्था के इस कैंसर को बदले बिना कोई भी सपना कभी सुरक्षित नहीं रह सकता।

पुस्तक समीक्षा

## अपने समय से संवाद का नाम है 'संजय उवाच'

समीक्षक
डॉ. लोकेन्द्र सिंह

मीडिया प्राध्यापक एवं लेखक प्रो. संजय द्विवेदी की नई पुस्तक 'संजय उवाच' उनके चुनिंदा और सारगर्भित भाषणों का उत्कृष्ट संग्रह है। अकादमिक जगत से लेकर सार्वजनिक कार्यक्रमों में उन्होंने जो व्याख्यान दिए, उनको पाठकों के लिए संपादित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत किया है। ज्यादातर व्याख्यान मीडिया, भाषा और शिक्षा के मुद्दों पर केंद्रित हैं। इसलिए यह पुस्तक मीडिया के विद्यार्थियों एवं इस क्षेत्र में रुचि रखने वालों को अवश्य ही पढ़नी चाहिए। जिस दौर में मीडिया को लेकर अनेक प्रकार की बहस हवा में तैर रही हैं, तब उस बहस में भारतीय दृष्टिकोण से एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप प्रो. संजय द्विवेदी का नजर आता है। संवाद से सुंदर बनेगी दुनिया, जड़ों की ओर लौटे मीडिया और जरूरी है मीडिया का भारतीयकरण- ये व्याख्यान मीडिया पर चल रही बहस को सार्थक दिशा देने का प्रयास हैं। इसके अलावा, पुस्तक में

भारत के नायकों, साहित्यकारों और समसामयिक विमर्श पर भी सारगर्भित विचार पढ़े जा सकते हैं। एक पंक्ति में कहें तो, इस पुस्तक में संकलित व्याख्यान पत्रकारिता, समाज, शिक्षा, भाषा और आज के समाज के विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर एक सार्थक और सकारात्मक विमर्श प्रस्तुत करते हैं। प्रो. संजय द्विवेदी ने अपने समय के साथ जो संवाद किया है, उसको संकलित और संपादित करके 'संजय उवाच' के रूप में अपने पाठकों के सामने प्रस्तुत कर दिया है। यह एक प्रकार से प्रो. द्विवेदी के बौद्धिक हस्तक्षेप का दस्तावेजीकरण है। प्रो. द्विवेदी की भाषा इतनी सहज-सरल और सरस है कि लिखा हुआ भी हमें सुनाई देता है, जो सहज ही पाठकों के अंतर्मन तक अपनी छाप छोड़ने का सामर्थ्य रखता है। लेखक की चिंता के केंद्र में निरंतर 'भारतबोध' और अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति का कल्याण झलकता है। इसके अलावा, प्रो. द्विवेदी ने प्रिंट और डिजिटल मीडिया के समक्ष उपस्थित चुनौतियों का सूक्ष्म विश्लेषण किया है। वे स्पष्ट करते हैं कि तकनीकी बदलावों या सोशल मीडिया के आने मात्र से प्रिंट मीडिया का भविष्य खतरे में नहीं है। प्रो. द्विवेदी 'फेक न्यूज' और 'इन्फोडेमिक' (सूचनाओं के महाविस्फोट) के इस दौर में 'मीडिया साक्षरता' को न केवल छात्रों के लिए, बल्कि संपूर्ण समाज और प्रशासनिक अधिकारियों के लिए भी अत्यंत अनिवार्य मानते हैं ताकि समाज में फैल रहे दुष्प्रभावों को रोका जा सके। उनका मानना है कि मीडिया का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि पाठकों को बौद्धिक रूप से उन्नत करना भी है। पुस्तक के प्रकाशन की गुणवत्ता बेहतरीन है। नई दिल्ली के शिल्पायन पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स ने इसे प्रकाशित किया है। यह पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

कवि कॉर्नर

कविता — कमला राठी

### मेरे प्रभु

बहुत गयी थोड़ी रही
बाक़ी भी चुक जाए
समय-समय का फेर है
कोई आए कोई जाए

मैं जिनको अपना कहूँ
वो सब तेरी देन
थकत नहीं जिह्वा मेरी
अपना-अपना कहन

सुख में साथ अनेक हैं
दुःख में लें मुख मोड़
सब की आशा छोड़ कर
बस एकहु से मन जोड़

सुख-दुःख तो दिन रैन हैं
एक आवै एक जाय
सुख के पीछे क्यूं पड़ें
जब दुःख में राम सहाय

कविता — प्रो. ज्योति राज

### ग़रीबी

अनचुपड़ी रोटी सी
पैबंद लगी धोती सी
दरारों भरी सोटी सी
उलझी हुई चोटी सी
सताती है ग़रीबी

धुँधलाए चश्मे सी
घिसी चप्पल सी
अधछूटी तुरपाई सी
उधड़ी सीवन सी
लजाती है ग़रीबी

कुम्हलाए गात सी
थकी औरत जात सी
रूखे चावल भात सी
दर्द में डूबी रात सी
थकाती है ग़रीबी

बिगड़ी हुई बात सी
स्याही जमी दवात सी
पस्त पड़े परवाज़ सी
थेगलियों के टाट सी
चिड़ाती है ग़रीबी

# साहित्य एक किस्म का यज्ञ : डॉ. लांगायन

व्यक्तित्व — डॉ. ओमप्रकाश कादयान

डॉ. रामभक्त लांगायन

*आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई। साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक इनकी लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं।*

डॉ. रामभक्त लांगायन एक ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने साहित्यकार, समाजसेवक तथा एक ईमानदार उच्च अधिकारी के रूप में एक साथ नाम कमाया है। ये जहां कर्मठ, ईमानदार, मेहनती व सुलझे हुए आई.ए.एस. अधिकारी रहे, वहीं अनुभवी, ऊर्जावान, साहित्यकार तथा समर्पित समाज सेवी हैं। आई.ए.एस. के रूप में विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं देते हुए सेवानिवृत्ति के उपरांत इन्होंने अपना जीवन साहित्य-सृजन तथा समाज सेवा को समर्पित कर दिया। विभिन्न पदों पर रहते हुए, अधिक व्यस्तताओं के चलते भी इन्होंने बहुत सी बेहतरीन पुस्तकें लिखी तथा प्रकाशित करवाई।

साहित्य के प्रति इनका लगाव तथा समाज-मार्गदर्शन की भावना का ही सुपरिणाम है कि अब तक डॉ. रामभक्त लांगायन द्वारा लिखित, सम्पादित करीब 48 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। नारी उत्थान के लिए, बेटियों के सम्मान के लिए, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए, हरियाणवी संस्कृति के प्रचार-प्रसार, संत-महात्माओं के विचार आम आदमी तक पहुंचाने के लिए, धर्म को जानने व शहीदों के गुणगान के लिए डॉ. रामभक्त लांगायन ने अनेक पुस्तकें लिखी हैं। इनका मानना है कि आज मशीनरी के युग में बहुत जरूरी हो गया है कि हम देश के युवाओं व विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति व प्रकृति से प्रेम करना सिखाएं, वो अपने देश व समाज के उत्थान की सोचें। वो केवल अपने लिए न जीकर दूसरों का भी सम्मान करें। वो अपने देश को, समाज को, प्रकृति को, अपनी संस्कृति को जानें। इन सबके लिए पुस्तकें सबसे अच्छा माध्यम हैं। इसलिए मैं प्रयास करता हूं कि मैं बच्चों को, युवाओं को प्रेरणा देने वाली पुस्तकें दे सकूं। लेखक का मानना है कि साहित्य एक किस्म का यज्ञ है। अच्छा साहित्य अच्छे समाज का निर्माण करता है। समाज में जब भी कोई बड़ा परिवर्तन हुआ है उसके पीछे साहित्य की शक्ति छुपी होती है। कई बार सारगर्भित कुछ पंक्तियां ही लोगों का विचार व भावना बदल देती हैं। इसलिए साहित्य का अध्ययन हम सबको करना चाहिए। बच्चों व युवाओं के मन पर तो श्रेष्ठ साहित्य गहरा असर डालता है। अगर हम विद्यार्थियों या युवाओं को अच्छी-अच्छी कहानियां, कविताएं और महापुरूषों की जीवनियां पढ़ने के लिए देंगे तो वे अवश्य महापुरूषों के पदचिन्हों पर चलेंगे। डॉ. लांगायन संस्कृत व हिंदी दोनों भाषाओं में एक साथ लिख रहे हैं। इन्हें भारतीय संस्कृति से गहरा लगाव है। जीवन के उदात मूल्यों में इनकी गहरी आस्था है। यही कारण है कि इनका साहित्य भी इसी तरह का है। ये साहित्य के माध्यम से बच्चों में राष्ट्रभक्ति व संस्कार भरना चाहते हैं। डॉ. रामभक्त लांगायन का संपूर्ण जीवन इन्हीं आदर्श जीवन-मूल्यों पर आधारित है। इसके साथ-साथ डॉ. लांगायन दलित समाज के उत्थान का कार्य कर रहे हैं। ये निर्धन, निस्सहाय बच्चों की शिक्षा का उचित प्रबंध भी करते हैं ताकि उनका भावी जीवन श्रेष्ठ हो सके। वर्तमान में ये अम्बेडकर छात्रावास के माध्यम से उनके सामाजिक, शैक्षणिक संरक्षण व उत्कर्ष का उत्तम कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे कॉलेज समय से पहले ही लिखने का शौक था। पत्र-पत्रिकाओं में लेख छपते रहते थे। धीरे-धीरे पुस्तक प्रकाशन आरंभ हुआ।

फिलहाल संत रविदास के जीवन चरित्र पर एक पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं। दो पुस्तकें प्रकाशाधीन हैं। 15 अगस्त 1946 को रोहतक के सुडाना गांव में जन्मे, वैश्य कॉलेज, पंजाबी विश्वविपटियाला, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र से शिक्षा ग्रहण करने वाले साहित्यकार, डॉ. रामभक्त लांगायन आजकल कुरूक्षेत्र में रह रहे हैं।

कुछ हटकर

## बी.टेक एरोनॉटिकल के बाद एविएशन, रक्षा क्षेत्र में अवसर

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी इन एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग (बी.टेक एरोनॉटिकल इंजीनियरिंग) चार वर्षीय तकनीकी स्नातक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, स्पेसक्राफ्ट और एयरोस्पेस प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, परीक्षण और रखरखाव की गहन समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः एरोडायनामिक्स, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर, प्रोपल्शन सिस्टम, फ्लाइट मैकेनिक्स, एवियोनिक्स, गैस टर्बाइन इंजन, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, कंट्रोल सिस्टम्स, थर्मोडायनामिक्स और स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है।

### उद्योगों में महत्व

इन विषयों का उद्योगों में अत्यधिक महत्व है। एरोडायनामिक्स विमान की गति, स्थिरता और ईंधन दक्षता को निर्धारित करता है, जबकि प्रोपल्शन सिस्टम विमान को शक्ति प्रदान करने वाली तकनीकों को समझाता है।

### विशेषज्ञताएं

- एवियोनिक्स सिस्टम
- प्रोपल्शन एवं इंजन टेक्नोलॉजी
- ड्रोन एवं यूएवी टेक्नोलॉजी
- स्पेस एवं रॉकेट प्रौद्योगिकी
- फ्लाइट टेस्टिंग एवं मेंटेनेंस
- कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स (सीएफडी)
- रक्षा एवं मिसाइल तकनीक
- एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग
- एयर ट्रांसपोर्ट एवं एविएशन मैनेजमेंट।

इनका प्रत्यक्ष उपयोग विमान निर्माण, रक्षा अनुसंधान, स्पेस मिशन, ड्रोन टेक्नोलॉजी, एयरलाइन संचालन आदि में होता है।

### आवश्यक कौशल

तकनीकी ड्रॉइंग एवं डिजाइन सॉफ्टवेयर की समझ, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स एवं सिमुलेशन टूल्स का ज्ञान, एयरक्राफ्ट सिस्टम एवं एवियोनिक्स की कार्यप्रणाली की समझ, समस्या समाधान एवं विश्लेषणात्मक सोच, अनुसंधान एवं तकनीकी नवाचार क्षमता, परियोजना प्रबंधन आदि।

### सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- रक्षा एवं अनुसंधान संस्थान
- डीआरडीओ वैज्ञानिक/इंजीनियर पद
- इसरो वैज्ञानिक एवं तकनीकी पद

**आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):**

- फ्रेशर: लगभग ₹5.0–₹9.0 लाख वार्षिक ( विभाग अनुसार)
- अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग ₹12–₹25 लाख वार्षिक; रक्षा एवं अनुसंधान संगठनों में अतिरिक्त भत्ते एवं सुविधाएँ उपलब्ध

### निजी क्षेत्र में विकल्प

- एयरक्राफ्ट डिजाइन एवं निर्माण
- डिजाइन इंजीनियर, एयरक्राफ्ट स्ट्रक्चर इंजीनियर
- प्रोडक्शन इंजीनियर
- क्वालिटी कंट्रोल एवं टेस्टिंग इंजीनियर,

**आय सीमा :** फ्रेशर: लगभग ₹4.0–₹8.0 लाख वार्षिक
अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग ₹10–₹28 लाख वार्षिक; अंतरराष्ट्रीय एविएशन कंपनियों/रक्षा परियोजनाओं में अधिक अवसर सम्भव।

**सुझाव:** किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह अवश्य लें। अधिक जानकारी के लिए आप **Career Jaano** पर भी विजिट कर सकते हैं।

मोटिवेशनल

## अनुशासन बनाम मोटिवेशन स्थायी सफलता का सूत्र

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

**1. मोटिवेशन का आकर्षण, अनुशासन की शक्ति**
आज का युवा मोटिवेशनल वीडियो, रील्स और प्रेरणादायक भाषणों से भरा हुआ है। कुछ मिनटों के लिए ऊर्जा बढ़ती है, लक्ष्य स्पष्ट दिखने लगता है और हम सोचते हैं "अब सब बदल जाएगा।" कुछ ही दिनों में वही उत्साह कम हो जाता है। यही कारण है कि केवल मोटिवेशन पर निर्भर रहना स्थायी सफलता की गारंटी नहीं है।मोटिवेशन क्षणिक होता है, अनुशासन स्थायी।

**2. मोटिवेशन क्यों टिकता नहीं?**
मोटिवेशन भावनाओं पर आधारित होता है। जब हम किसी सफलता की कहानी सुनते हैं या किसी उपलब्धि से प्रभावित होते हैं, तो भावनात्मक रूप से प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन भावनाएं स्थायी नहीं होतीं। भारतीय युवाओं के सामने आज प्रतियोगी परीक्षाएँ, करियर की अनिश्चितता और सोशल मीडिया का दबाव है। ऐसे में केवल प्रेरणा के भरोसे चलना मुश्किल है।

**3. अनुशासन: रोज़ की छोटी जीत**
अनुशासन का अर्थ है अपने लक्ष्य के अनुसार रोज व्यवहार करना, चाहे मन करे या न करे। रोज छोटे-छोटे नियम अपनाएं। साधारण नियम ही असाधारण परिणाम देते हैं।

**4. सोशल मीडिया के दौर में आत्म-नियंत्रण**
आज सबसे बड़ी चुनौती है, ध्यान भटकना। रील्स, गेम्स, लगातार नोटिफिकेशन, ये सब समय और ऊर्जा को धीरे-धीरे खत्म कर देते हैं। अनुशासन का अर्थ है अपने समय और ध्यान पर नियंत्रण। जो युवा स्वयं पर नियंत्रण रखता है, वही अपने लक्ष्य पर नियंत्रण पा सकता है।

**5. सफलता का वैज्ञानिक दृष्टिकोण**
सफलता अचानक नहीं आती। यह आदतों का परिणाम होती है। जब आप रोज एक ही समय पर मेहनत करते हैं, तो आपका मस्तिष्क उस रूटीन का आदी हो जाता है। धीरे-धीरे वही काम आपकी पहचान बन जाता है। अनुशासन का जितना अभ्यास करेंगे, उतना मजबूत होगा।

लघु कथा

## भूल-सुधार

सब्जी काटते-काटते उसे पता ही नहीं लगा कि ऊंगली से खून बह रहा है।
पतीली के ढक्कन पर लाल-लाल बूंदें दिखी तो ध्यान गया। दर्द तो कब का हो रहा था।
परन्तु इन दर्दों की परवाह करने बैठ गयी तो ...।

आशा खत्री 'लता'
कहानीकार

देखा काफी गहरा घाव था। खून को थामने के प्रयास में पांच मिनट विलम्ब हो गया। तुरत-फुरत बिटिया का टिफिन तैयार किया। टिफिन पर शायद आटे के कुछ कण चिपक गए थे। बेटी ने एक बार टिफिन को देखा और फिर उसे घूरा।
'बेटा, ऊंगली कट गयी थी।'
उसने कुछ सहानुभूति की उम्मीद लिए बेटी की ओर देखते हुए कटी ऊंगली को दूसरे हाथ की ऊंगलियों से दबाते हुए कहा।
बेटी ने घूरते हुए उसकी ओर देखा और हाई हील की सेंडिल खट-खट करती हुए बाहर निकल गयी।
शकुन धम से कुर्सी पर गिर गयी। कितना खटती है वह दिन-रात, सब वक्त पर तैयार, सबके स्वाद का ध्यान। किसी से कुछ कहना नहीं, किसी से कुछ अपेक्षा नहीं, फिर भी दो शब्द अपनेपन के नहीं उसके लिए।
उसे लगा कहीं बेटी को जिंदगी का पाठ पढ़ाने में उसी से तो कोई गलती नहीं हो गई।
दिन भर इसी पर मंथन करते वह निष्कर्ष पर पहुंच चुकी थी।
अगले दिन- 'उठो तनु आज खाना खुद बना कर ले जाना है।'
मैं कैंटीन से कुछ ले लूंगी
'ले लेना, पर पापा के लिए तो बना दो, मेरी ऊंगली में दर्द है।'
'आज से पहले तो आपने मुझ से कुछ करवाया नहीं ?'
'हां तनु, पर वह मेरी गलती थी, जिसे मैं और आगे नहीं ले जाना चाहती। धूप-छांव का अहसास तो तभी होगा, जब सफ़र पर निकलोगी।'
कहते हुई शकुन घर के दूसरे कामों में व्यस्त हो गई।

## खबर संक्षेप

### बिजली उपभोक्ताओं का प्रदर्शन आज

**मंडी अटेली।** बिजली उपभोक्ताओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर बिजली उपभोक्ता मंच हरियाणा द्वारा 15 जून को लघु सचिवालय नारनौल में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री हरियाणा के नाम ज्ञापन भी सौंपा जाएगा। मंच के जिला प्रधान डॉ. राजेन्द्र प्रसाद खरब ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू होगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया जा गया है, जिसमें जिला सचिव मास्टर बलवंत सिंह, उप प्रधान डॉ. सुरेन्द्र सिंह सहित अन्य पदाधिकारी सक्रिय रूप से लोगों को जोड़ा है।

### हिमांशु यादव सिहमा ने रचा इतिहास

**नारनौल।** प्रतिभा, अनुशासन और कठिन परिश्रम के बल पर हिमांशु यादव सिहमा ने देश की सबसे प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त की है।

प्रथम राउंड में हिमांशु को देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी बॉम्बे में कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग चार वर्षीय बीटे में सीट आवंटित हुई है। इस उपलब्धि से परिवार, शिक्षकों व क्षेत्र में खुशी का माहौल है। हिमांशु के पिता प्रवक्ता लीलाराम यादव ने बताया कि हिमांशु बचपन से ही गणित विषय में विशेष रुचि रखता हैं। वह प्रारंभ से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित, अनुशासित और मेहनती छात्र रहा हैं। हिमांशु ने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने लक्ष्य पर पूरा ध्यान केंद्रित किया।

### नशा मुक्त हरियाणा के संकल्प के साथ मैराथन आज

**नारनौल।** हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 जून को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय योग मैराथन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त अनुपमा अंजली के मार्गदर्शन में इस आयोजन को अंतिम रूप दे दिया गया है। आईटीआई का मैदान पूरी तरह सजकर तैयार है। इस दौड़ का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्वास्थ्य और योग के प्रति जागरूक करना है। सोमवार सुबह ठीक 6:30 बजे आईटीआई मैदान से इस मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

### गोशाला में दान सबसे बड़ा पुण्य : अतरलाल

**नारनौल।** गांव खेड़ी तलवाना में श्री बाबा भोलागिरी गोशाला का शुभारंभ किया गया। प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल ने आसपास के गणमान्य लोगों के साथ रिबन काटकर गोशाला का उद्घाटन किया। सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य दास मोहित कौशिक ने वैदिक मंत्रोच्चारण से विधिवत पूजन कर उद्घाटन की प्रक्रिया को पूरा करवाया।

अतरलाल ने शानदार गोशाला शुरू करने के लिए खेड़ी गांव तथा गोशाला के लिए 15 एकड़ जमीन दान देने वाले रवि तंवर पुत्र रिशलदार बलबीर सिंह का धन्यवाद किया।

# धौलेड़ा में आर्य समाज की नई कार्यकारिणी का गठन, गौरवशाली इतिहास को बढ़ाने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव धौलेड़ा में रविवार को सभी ग्रामवासियों के सहयोग से आर्य समाज की विचारधारा को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से बाबा भैया पर बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और संगठन को मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श किया गया। इस मौके पर पुरानी कार्यकारिणी के पदाधिकारी मास्टर दुलीचंद, मास्टर छोटेलाल, कैप्टन चंदगीराम, छाजूराम व अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। बैठक के दौरान उपस्थित लोगों की सर्वसम्मति से आर्य समाज धौलेड़ा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में सूबेदार राजेंद्र सिंह को प्रधान, कैप्टन अशोक कुमार को उपप्रधान, मास्टर सत्यवीर को मंत्री, डॉ. नरेश कुमार को उपमंत्री, सूबेदार विक्रम सिंह को कोषाध्यक्ष तथा गुलशन कुमार को मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि युवाओं को संगठन से जोड़ते हुए कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा, ताकि आर्य समाज के सिद्धांतों और सामाजिक कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सके। इसके अलावा समाज में स्वच्छता, शिक्षा, नशा मुक्ति और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों का नियमित आयोजन करने पर भी सहमति बनी। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने आर्य समाज के सिद्धांतों पर चलने तथा समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। नई कार्यकारिणी के गठन पर सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की सफलता की कामना की गई। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि धौलेड़ा आर्य समाज का यह गौरवशाली इतिहास नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। नई कार्यकारिणी का उद्देश्य पूर्वजों द्वारा स्थापित मूल्यों और आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए समाजसेवा, शिक्षा, संस्कार व जागरूकता के कार्यों को नई दिशा देना होगा।

**नारनौल।** आर्य समाज की कार्याकरिणी का गठन करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

### रामजीलाल आर्य रखीं थी संगठन की नींव

बैठक के दौरान बुजुर्ग आर्य समाजियों ने बताया कि गांव धौलेड़ा का आर्य समाज क्षेत्र के सबसे पुराने और सक्रिय आर्य समाज संगठनों में से एक रहा है। इसकी स्थापना वर्ष 1939-40 में लगभग 50-60 सदस्यों के साथ हुई थी। गांव के पहले आर्य समाजी और संस्थापक प्रधान दादा रामजीलाल आर्य ने अपने घर पर पहला जलसा आयोजित कर इसकी नींव रखी थी। इसके बाद सतपाल आर्य वैद्य, अमर मुनी (अमीलाल आर्य), जवाहर सिंह आर्य, नाहर सिंह शास्त्री, निहाल सिंह आर्य, रामपत आर्य, रामप्रताप आर्य (भीष्म), प्रह्लाद सिंह, नेतराम, रामनिवास वैद्य, मास्टर हनुमान सिंह, मुरलीधर गोठवाल तथा रामनिवास आर्य सहित अनेक समाजसेवियों ने आर्य समाज की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य किया। बुजुर्गों के अनुसार धौलेड़ा आर्य समाज केवल धार्मिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शिक्षा, सामाजिक सुधार, नशामुक्ति, गौरक्षा और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर भी निरंतर कार्य करता रहा है। आर्य समाज के जलसों में देश के प्रसिद्ध वैदिक विद्वान और प्रचारक भाग लेते रहे हैं, जिससे गांव में वैदिक संस्कृति और सामाजिक जागरूकता को मजबूती मिली। आर्य समाज से जुड़े वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने बताया कि पूर्व सरपंच रामनिवास आर्य ने राष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के बीच वैदिक संस्कारों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि राजकुमार आर्य सहित अनेक लोगों ने विभिन्न आर्य समाजों और गुरुकुलों को आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया। वहीं हनुमान मुकदम जैसे कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण और सेवा कार्यों के माध्यम से संगठन की परंपराओं को जीवित रखा है।

## कई संस्थाओं का शिविर में रहा सहयोग

# बुजुर्गों की याद में लगाया रक्तदान शिविर, 67 यूनिट रक्त एकत्रित

**खास बातें**

- कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम योगेश सैनी महेंद्रगढ़ रहे
- कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर राहुल गुरैया ने की

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नेकी की दीवार नीडी हेल्प ग्रुप एवं शहीद भगत सिंह जनकल्याण सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार ट्रॉमा सेंटर सिविल हॉस्पिटल में रक्तदान शिविर लगाया गया। यह शिविर दो महान आत्माओं स्व. ऊषा रानी गोगिया एवं स्व. बजरंग लाल अग्रवाल की पुण्य स्मृति में आयोजित कैंप में 67 यूनिट एकत्रित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीएम योगेश सैनी महेंद्रगढ़ रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर राहुल गुरैया ने की। विशिष्ट अतिथियों में सिविल हॉस्पिटल के आरएमओ डॉ. सरजीत सिंह, एडीओ डॉक्टर प्रदीप कुमार, सुनील गोयल,सुमित अग्रवाल रहे। कार्यक्रम संयोजक मनीष गोगिया ने बताया की आज के रक्तदान शिविर में 67 यूनिट एकत्रित की गई जिसे सरकारी हॉस्पिटल की टीम को सौंपा गया।ट्रॉमा सेंटर में लगे शिविर में समाज सेवा ओर एकजुटता का एक बेहद सकारत्मक नजारा देखने को मिला। इस पुनीत कार्यों में 36 बिरादरी के युवाओं एवं समाज के गणमान्य नागरिकों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। वही मुख्य अतिथि योगेश सैनी ने स्वस्थ युवाओं से आह्वान किया कि प्रत्येक युवा को साल में चार बार अवश्य रक्तदान करना चाहिए। इससे बीमारी का खतरा कम बना रहता है। ऐसे आयोजन से ब्लडबैंक में रक्त की पूर्ति होती है ओर अनजान मरीजों को समय समय पर रक्त उपलब्ध हो जाता है। कार्यकम कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे डॉक्टर राहुल गुरैया ने बताया कि रक्त की पूर्ति इंसान के शरीर से होती है। ये किसी फैक्ट्री में नहीं बनता। ऐसे में युवाओं को ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करना चाहिए। इस रक्तदान शिविर में रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में कुछ सामाजिक संस्थाओं ओर रक्तवीर योद्धाओं को सम्मानित भी किया गया। वही विशिष्ट अतिथियों ने भी सभी से अपील किया की गई हमे ऐसे आयोजनों में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए। अतिविशिष्ट अतिथि सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार की गरिमामई उपस्थिति रही। उनको अपने हाथों से अनेक लोगों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। वही आए हुए सभी अतिथियों को पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। रक्तदान शिविर में महिलाओं ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया और विशेष रहा की चरणजीत सिंह ने अपना 108वां रक्तदान किया।आज सिविल हॉस्पिटल ब्लड बैंक की टीम एवं रेड क्रॉस सोसायटी का विशेष सहयोग रहा।

**नारनौल।** रक्तदान करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

### ये रहे उपस्थित

इस मौके पर कैलाश सोनी, मदन लाल गोगिया, अनिल शर्मा, राकेश यादव देव शर्मा, भारत भूषण वालिया, वीरेंद्र दिवान, राकेश सैनी, पंकज भोले, राजकुमार चौधरी, सुरेश शर्मा, अनिल शर्मा, मनीष गर्ग, प्रवेश जांगिड़, सुनील शर्मा, मनीष गोगिया, हर्षित गोगिया, डॉक्टर शिव कुमार, डॉक्टर जितेंद्र भारद्वाज, राकेश चूटानी, राजकुमार व्यास, संदीप जैन, आशीष यादव, चरणजीत सिंह, कपिल कुमार, कौशल जांगिड़, पवन मोड़ी, शिव मित्तल एवं अन्य गणमान्य लोगों की गरीमामई उपस्थिति रही।

**नारनौल।** संस्था की ओर से महिलाओं को किया गया सम्मानित। *फोटो : हरिभूमि*

# योग शिविर में शामिल महिलाओं का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

युवा शक्ति फाउंडेशन सेका की ओर से कन्या माध्यमिक विद्यालय परिसर में आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क योग शिविर एवं संस्कार जागरूकता अभियान का रविवार समापन हो गया। इस दौरान आयुर्वेदिक हॉस्पिटल पटीकरा के प्रसिद्ध चिकित्सक डीएमएस डॉ. संजय यादव मुख्य अतिथि रहे। समाजसेवी पवन यादव व देवेंद्र कुमार की कार्यक्रम में उपस्थिति रही। इस शिविर में योगाचार्य बजरंग जांगिड़ के कुशल मार्गदर्शन में ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान कैलाश शक्ति ने भी पूरा जोश दिखाया और कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। शिविर में योग, प्राणायाम एवं ध्यान की विभिन्न विधियों का प्रशिक्षण दिया गया। वहीं, पवन कुमार ने नैतिक संस्कार, सामाजिक जागरूकता और नशामुक्ति जैसे विषयों पर प्रेरणादायक विचार रखकर उपस्थित जनसमूह को जागरूक किया। समारोह में प्रवेश, सेना के सूबेदार जितेंद्र, बलराम (दिल्ली पुलिस), डॉ. रतन, बाबूलाल ,प्रवीण, संदीप और बहादुर सिंह सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की और शिविर की सराहना की। समापन समारोह में समाज, शिक्षा, जनसेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस मौके पर पंकज यादव, राजवीर, कृष्ण सहित युवा शक्ति फाउंडेशन के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**नारनौल।** पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

# विद्यार्थियों ने लोगों को दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- कपड़े के थैलों, कांच व स्टील के बर्तनों, बांस व लकड़ी के प्रयोग को किया प्रेरित

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जैलाफ में यूथ एवं इको क्लब फोर मिशन लाइफ के अंतर्गत लगाए जा रहे ग्रीन समर कैंप व योग प्रोटोकॉल अभ्यास के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर यूथ एवं इको क्लब इंचार्ज प्रवक्ता धर्मसिंह के नेतृत्व में पर्यावरण के अनुकूल विकल्पों को बढ़ावा देने, स्थानीय उत्पादों का समर्थन करने व प्लास्टिक के स्थान पर कपड़े के थैलों, कांच व स्टील के बर्तनों, बांस व लकड़ी तथा कागज से बना सामान प्रयोग करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर बच्चों ने स्वच्छता की शपथ ली तथा प्लास्टिक को रोकने पर पोस्टर व स्लोगन लिखकर पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। प्रात कालीन सत्र में राकेश पीटीआई ने अभ्यास करवाया।

### प्रजा भलाई संगठन ने गो सेवक महिपाल सिंह व छात्रा हिमांशी को किया सम्मानित

**नारनौल।** तोबड़ा गांव निवासी प्रसिद्ध गोसेवक चौधरी महिपाल सिंह खरब को बिहाली की श्रीकृष्ण बाल गोपाल गोशाला का सर्वसम्मति से प्रधान चुने जाने पर इलाके की तरफ से सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो समाजसेवी नेताजी अतरलाल ने नवनिर्वाचित गोशाला प्रधान चौधरी महिपाल सिंह खरब, उपप्रधान सुरेंद्र सिंह को साफा पहनाकर तथा प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान गांव की छात्रा हिमांशी को जेईई एडवांस्ड में अच्छी रैंक से क्वालीफाई करने पर शाल ओढ़ाकर कर तथा प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। हिमांशी के पिता इंद्रजीत शर्मा को भी साफा पहनकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मास्टर महावीर चंदपुरा, श्रीराम चंदपुरा, मास्टर सुबेसिंह, कैलाश सेठ, भागसिंह चेयरमैन, दानसिंह प्रजापत, विजय कुमार, रामसिंह पूर्व सरपंच, प्रकाशचंद खरब, लालचंद, सुनील कुमार, राजेश, बिजेंद्र, महिपाल, सुरेंद्र, रोहतास, सुनील, चेतन शर्मा, डॉ. राजेंद्र, सतबीर, जगराम, हीरासिंह, मनोज, कृष्ण कुमार, विद्यानंद, कन्हैयालाल आदि उपस्थित थे।

**नारनौल।** महिपाल सिंह खरब व छात्रा हिमांशी को सम्मानित करते नेता अतरलाल। *फोटो : हरिभूमि*

**कनीना।** छितरौली में आयोजित रागनी कंपटीशन में प्रस्तुति देते गायक कलाकार। *फोटो : हरिभूमि*

### छितरोली में रातभर चला रागनी कंपटीशन

**कनीना।** हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति व पारंपरिक गायन कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्राम छितरोली में शनिवार रात्रि इनामी रागनी कंपटीशन का आयोजन किया गया। जिसमें हरियाणवी लोक गायक कलाकार दीपक चिडिया व सुरेश हडौली के बीच कांटे का मुकाबला रहा। रविवार सुबह छह बजे तक कंपटीशन जारी रहा। जिसका ग्रामीणों ने जमकर लुत्फ उठाया। ग्रामवासियों के सौजन्य से खेल स्टेडियम में आयोजित इस शानदार सांस्कृतिक संध्या में दर्शकों का भारी हुजूम उमड़ा, जिन्होंने लोक कलाकारों की दमदार प्रस्तुतियों का आनंद लिया। इस भव्य प्रतियोगिता का शुभारंभ अतरलाल ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ग्रामीण रामनिवास धनखड़, अमित, सूबेदार सुखबीर सिंह व नरेंद्र शास्त्री सहित ग्रामीणों की मुख्य भूमिका रही। रागनी कंपटीशन में हरियाणा के कोने कोने से आए दिग्गज लोक गायक कलाकारों ने अपनी कला का जौहर दिखाया। मशहूर रागनी कलाकारों जगवीर कारोरिया, सुरेश हड़ोली, नरेंद्र भैंसवालिया, दीपक चिड़िया, आनंद जांटी, राजबीर दुजाना, अंशु देवतवाल, हरीश शर्मा और दलबीर फौजी ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कलाकारों ने सूर्यकवि पंडित लख्मी चंद द्वारा रचित वीर रस और श्रृंगार रस से ओतप्रोत रागनियों के जरिए पंडाल में बैठे दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। ऐतिहासिक और सामाजिक ताने बाने पर आधारित रागनियों को सुनकर पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

### स्व. जेसी पंत की याद में किया पौधारोपण

**नारनौल।** नारनौल। ऋचा संस्था के तहत स्मार्टपुर प्रोजेक्ट द्वारा संस्था के संस्थापक स्वर्गीय जेसी पंत की प्रथम पुण्यतिथि पर ग्राम हसनपुर, ब्राह्मणवास, कारोली, मेघोत बिंजा, सैद अलीपुर एवं आसरावास में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में गांव के सरपंच, गांव के युवाओं बच्चों सहित ग्रामीणों और अन्य गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस दौरान विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए उनमें पीपल, नीम, वटवृक्ष, आम, जामुन, आमला, सहजना, अमरूद व नींबू इत्यादि थे तथा उनकी नियमित देखभाल और ट्री गार्ड लगाए गए एवं पेड़ों की सुरक्षा के लिए पेड़ों के चारों तरफ लोहे की जालियां लगाई गई। वक्ताओं ने स्वर्गीय जेसी पंत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण से न केवल हरियाली बढ़ती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराने में भी मदद मिलती है। कार्यक्रम में स्वर्गीय जेसी पंत के समाज सेवा एवं विकास कार्यों को भी याद किया गया। इस अवसर पर विनोद मेहतो, दीपक शर्मा, हनुमान प्रसाद, नोमेश, विक्रम शर्मा, संदीप कुमार, योगेश यादव एवं अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

**नारनौल।** पौधारोपण करते संस्था के सदस्य व ग्रामीण।

**नारनौल।** योग करती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

### मातृशक्ति को योग से जोड़ रही डॉ. कृष्णा आर्या

**नारनौल।** शिक्षा, संस्कृति एवं साहित्य संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय वैश्विक उपलब्धियां हासिल करने के बाद अब योग के क्षेत्र में परचम लहरा रही पतंजली से प्रशिक्षित योगाचार्या डॉ. कृष्णा आर्या अब हुडा सेक्टर में योग कक्षा लगाकर बुजुर्ग मातृशक्ति को योग करवा रही हैं। योगगुरु स्वामी रामदेव की प्रेरणा से आर्या बुजुर्ग मातृशक्ति की सेवा के लिए योगा फार एल्डर वैलबींग कक्षा लगाकर नियमित योग करवा रही हैं और 21 जून को होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष योग शिविर लगा रही हैं। आर्या ने बताया कि बुजुर्ग मातृशक्ति हाथ और जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, गर्दन के दर्द, बीपी, शुगर, तनाव, डिप्रेशन जैसी अनेक बीमारियों को लेकर के योग कक्षा में आती हैं और कुछ दिन के नियमित योगाभ्यास के बाद वे अपने शरीर के विभिन्न रोगों से और मोटापे से निजात पा जाती हैं। इस योग कक्षा में कपालभाति, भ्रामरी, तितली आसन, हास्य आसन, हाथों व पैरों के योग, कटिबंध आसन, सेतुबंध आसन आदि करवाए जाते हैं।

## मोती नगर में संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठा दिन दिखा भक्ति व आस्था का संगम

# रुक्मिणी विवाह व कंस वध प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

- आचार्य ने बताया कि भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मोती नगर में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कथा व्यास आचार्य रघुराज शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण एवं रुक्मिणी विवाह, कंस वध तथा भक्त और भगवान के अटूट संबंध का अत्यंत भावपूर्ण वर्णन किया। आयोजक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि आचार्य रघुराज शास्त्री ने कथा में रुक्मिणी विवाह प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि विदर्भ की राजकुमारी रुक्मिणी भगवान श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी। उन्होंने भगवान की महिमा सुनकर मन ही मन उन्हें अपना सर्वस्व स्वीकार कर लिया था। जब उनके भाई रुक्मी ने उनका विवाह शिशुपाल से करने का निर्णय लिया, तो रुक्मिणी ने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र लिखकर अपनी व्यथा प्रकट की और उन्हें अपने उद्धार के लिए बुलाया। आचार्य ने बताया कि भक्त की पुकार भगवान अवश्य सुनते हैं। रुक्मिणी के प्रेम और समर्पण से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण विदर्भ पहुंचे और स्वयंवर से पूर्व ही रुक्मिणी का हरण कर उन्हें अपने साथ ले गए। इसके बाद वैदिक रीति रिवाजों के अनुसार दोनों का विवाह संपन्न हुआ।

**नारनौल।** श्रीमद्भागवत कथा में झूमती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

### घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें तो भी तीर्थ के समान फल मिलता है

# सोमवती अमावस्या आज, पितरों के निमित्त करें पिंडदान, तर्पण व हवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हिंदू धर्म में अमावस्या तिथि को पितरों की कृपा पाने का विशेष दिन बताया गया है। सोमवार को यानि 15 जून को ज्येष्ठ अधिकमास की सोमवती अमावस्या है।

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि वैसे तो सब अमावस्याओं को पितरों के लिए फलदाई बताया है। परंतु सोमवार के दिन आने से इसकी महत्ता और बढ़ जाती है। सोमवार के दिन आने से सोमवती अमावस्या कहते है। इस दिन पितरों के निमित्त तर्पण, पिंडदान, हवन आदि करवाने से पितृ देव प्रसन्न होते है। पितृ दोष शांत होता है तथा परिवार में सुख समृद्धि आती है और पितरों का आशीर्वाद हम पर बना रहता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से व्यक्ति को पुण्य की प्राप्ति होती है, साथ हीं आरोग्य और समृद्धि भी मिलती है।

मान्यता है कि सोमवती अमावस्या पर विधिवत स्नान करने से भगवान विष्णु और पितरों की कृपा हमेशा बनी रहती है। यदि आप नदियों में स्नान करने नहीं जा सकते तो आप घर में ही थोड़ा सा गंगाजल नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करें तो भी तीर्थ के समान फल मिलता है।

### पवित्र स्नान से मिलता है पुण्य और पितृ दोष से भी मिलती है मुक्ति

### अधिक मास आज हो जाएगा समाप्त

भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि इस साल दो ज्येष्ठ मास है। 17 मई से अधिक मास लगा था। जिसका समापन 15 जून को हो जाएगा। जिसकी समाप्ति होते ही शुभ मांगलिक कार्यों पर लगा विराम हट जाएगा फिर से बैंड-बाजा और शहनाइयों की गूंज सुनाई देगी।

### पीपल की पूजा का विशेष महत्व

पंडित भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि पीपल के पेड़ में पितर और सभी देवों का वास होता है। इसलिए सोमवती अमावस्या के दिन जो पानी में कच्चा दूध और काले तिल मिलाकर सुबह पीपल को चढ़ाते हैं। उन्हें पितृदोष से मुक्ति मिल जाती है। इसके बाद पीपल की पूजा और परिक्रमा करने से सभी देवता प्रसन्न होते हैं। ऐसा करने से हर तरह के पाप भी खत्म हो जाते हैं। ग्रंथों में बताया गया है कि पीपल की परिक्रमा करने से महिलाओं का सौभाग्य भी बढ़ता है। इसलिए शास्त्रों में इसे अश्वत्थ प्रदक्षिणा व्रत भी कहा गया है।

### सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह व विधायक ओमप्रकाश यादव ने पार्क में दिया स्वच्छता का संदेश

# स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश में 12.11 करोड़ व्यक्तिगत शौचालयों का निर्माण

नारनौल। पार्क में बुजुर्ग के साथ बैठकर बातचीत करते सांसद, विधायक। फोटो : हरिभूमि

- अभियान केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूरे होने पर चलाया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

भिवानी महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस पार्क में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेकर स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव भी उनके साथ मौजूद रहे। यह अभियान केंद्र सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूरे होने पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने पौधारोपण भी किया। इसके अलावा उन्होंने पार्क में बुजुर्ग महिलाओं के साथ बैठकर उनकी समस्याएं सुनी। इस दौरान बुजुर्ग महिलाओं ने पार्क में छाया में बैठने के लिए एक छतरी बनवाने की मांग रखी, जिसे सांसद ने गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द बनवाने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के इन सफल 12 वर्षों के कार्यकाल में देश ने स्वच्छता और कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। स्वच्छ भारत मिशन के तहत देश भर में 12.11 करोड़ से अधिक व्यक्तिगत घरेलू शौचालयों का निर्माण किया गया है, जिसके सुखद परिणाम स्वरूप साल 2019 में भारत को पूरी तरह से खुले में शौच से मुक्त घोषित कर दिया गया था। इस दिशा में निरंतर हो रहे प्रयासों की बदौलत आज देश के 4.692 शहर पूरी तरह से ओडीएफ हो चुके हैं। शहरी स्वच्छता के साथ साथ कचरा प्रबंधन के मोर्चे पर भी सरकार ने इन 12 वर्षों में बेहतरीन काम किया है। आंकड़ों के अनुसार शहरों में जहां पहले महज 16 प्रतिशत कचरे का प्रसंस्करण यानी प्रोसेसिंग हो पाती थी, वहीं अब यह क्षमता कई गुना बढ़कर 82 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा ठोस कचरा प्रसंस्करण की राष्ट्रीय क्षमता को भी साल 2014 के 17 प्रतिशत से बढ़ाकर अब 77 प्रतिशत कर दिया गया है, जिसके तहत 1138 से अधिक बड़े डंपसाइटों का उपचार करके 7646 एकड़ बहुमूल्य भूमि को फिर से जनउपयोगी बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नमामी गंगे योजना के तहत 43030 करोड़ रुपये की 524 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसके प्रभावी कदमों के कारण गंगा बेसिन में गिरने वाले औद्योगिक अपशिष्ट में भारी कमी आई है, जो साल 2017 के 26 टीपीडी से घटकर अब महज 10.75 टीपीडी रह गया है। डीएमसी रणवीर सिंह, बीजेपी जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी, गोविंद भारद्वाज, वासुदेव यादव, दयाराम यादव, किशनलाल, अश्वनी एडवोकेट अजीत कलवाड़ी आदि मौजूद रहे।

### ये रहे मौजूद

डीएमसी रणवीर सिंह, बीजेपी जिला अध्यक्ष डॉ. यतेंद्र राव, नप चेयरपर्सन कमलेश सैनी, गोविंद भारद्वाज, वासुदेव यादव, दयाराम यादव, किशनलाल, अश्वनी एडवोकेट, अजीत कलवाड़ी, सतबीर बडेसरा आदि मौजूद थे।

### सतनाली स्टेशन पर सीकर-दिल्ली सराय एक्सप्रेस के ठहराव की मांग

**सतनाली मंडी।** सतनाली रेलवे स्टेशन पर गाड़ी संख्या 14713/14 सीकर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस का ठहराव एवं स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार एवं आवश्यक विकास कार्य करवाने की मांग को लेकर सतनाली रेल सेवा समिति ने सांसद चौ. धर्मबीर सिंह को ज्ञापन सौंपे। इसके अलावा मंडल रेल प्रबंधक के नाम सतनाली स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपे। सतनाली

- सतनाली रेल सेवा समिति ने सांसद धर्मबीर सिंह को सौंपा ज्ञापन

रेल समिति प्रधान दीवान सिंह शेखावत के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल द्वारा सांसद को सौंपे ज्ञापन में बताया कि 14713/14 सीकर-दिल्ली सराय रोहिल्ला एक्सप्रेस अपने मार्ग के अधिकांश प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करती है, लेकिन महत्वपूर्ण एवं यात्री भार वाले सतनाली रेलवे स्टेशन पर इसका ठहराव नहीं है, जबकि मार्ग में कुछ ऐसे स्टेशन जहां यात्री संख्या एवं राजस्व सतनाली से कम है, ट्रेन रूक रही है। सतनाली क्षेत्र के हजारों विद्यार्थी शिक्षा के प्रमुख केंद्र सीकर में अध्ययनरत हैं तथा उनका नियमित आवागमन बना रहता है। इसके अतिरिक्त क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में जीण माता मंदिर, लोहागर जी, खाटू श्याम जी मंदिर एवं सालासर बालाजी मंदिर के दर्शन हेतु यात्रा करते हैं। व्यापारिक गतिविधियों के कारण भी क्षेत्र के लोगों का सीकर आना जाना निरंतर बना रहता है। अतः यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए ट्रेन का स्थायी ठहराव करवाया जाए।

नारनौल। अतिथि को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

## सिंघानिया यूनिवर्सिटी में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया

- अधिकारियों ने करियर चयन और लक्ष्य निर्धारण पर दिया मार्गदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

सिंघानिया यूनिवर्सिटी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के विभिन्न विद्यालयों के टॉपर एवं मेधावी विद्यार्थियों ने अपने अभिभावकों, शिक्षकों तथा विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

कार्यक्रम के स्वागत भाषण में डॉ. संजय कुमार दुबे, शैक्षणिक निदेशक, सिंघानिया यूनिवर्सिटी ने सभी अतिथियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उनकी उपलब्धियों पर बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों तथा अन्य शैक्षणिक सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। सिंघानिया यूनिवर्सिटी अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार ने विद्यार्थियों के साथ अपने आईएएस बनने तक के संघर्षपूर्ण जीवन सफर को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम करने तथा जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. सुमित सिंह, कुलसचिव, जीएस यूनिवर्सिटी, हापुर, उत्तर प्रदेश ने अपने संबोधन में कहा कि सही समय पर लिया गया सही निर्णय व्यक्ति के भविष्य को बदल सकता है। इसलिए विद्यार्थियों को सोच-समझकर अपने करियर का चयन करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि पूर्व आईआईटी विद्यार्थी और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एडटेक, लक्की रोहिल्ला ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए सकारात्मक एवं प्रेरणादायी वातावरण का होना अत्यंत आवश्यक है।

### खबर संक्षेप

### महावीर चौक को रक्तदान जागरूकता संदेशों से सजाया

**नारनौल।** विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शहर के प्रमुख महावीर चौक को रक्तदान जागरूकता संदेशों, बैनरों, रंग बिरंगी लाइटें और पोस्टरों से आकर्षक रूप से सजाया गया। इस पहल का उद्देश्य आमजन को रक्तदान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा अधिक से अधिक लोगों को नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित करना रहा। समाजसेवी विनीत पिलानिया ने कहा कि यह विशेष अभियान आर्यव्रत सेवा न्यास, युवा साथी ग्रुप हरियाणा एवं उड़ान जनसेवा ट्रस्ट ढाणी बाठोठा के संयुक्त तत्वावधान में चलाया गया।

### नामदेव समाज की बैठक में संगठन विस्तार और जन्मोत्सव पर बनी रणनीति

**मंडी अटेली।** अटेली राजकीय महाविद्यालय स्थित गार्डन में श्री नामदेव समाज समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के प्रधान विजयपाल रोहिल्ला ने की। इस दौरान समाज से जुड़े कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समिति का विधिवत पंजीकरण उपायुक्त कार्यालय में करवाया जाएगा, ताकि संगठन को आधिकारिक पहचान मिल सके और इसकी गतिविधियों को और प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सके। इसके साथ ही समिति में नए सदस्यों को जोड़ने का अभियान भी चलाने पर जोर दिया गया, जिससे अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके। बैठक में नामदेव महाराज के आगामी जन्मोत्सव को लेकर भी चर्चा की गई।

## भाजपा बूथ प्रभारी को पितृशोक

**नांगल चौधरी।** शहर में भाजपा के बूथ प्रभारी रामनिवास सैनी के पिता महावीर प्रसाद का निधन हो गया। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी तथा अंतिम यात्रा में शामिल हुए। परिजनों ने बताया कि महावीर प्रसाद शारीरिक रूप से स्वस्थ्य थे। बीती देर शाम अचानक जी घबराने तथा सीने में दर्द की समस्या हुई। जिसे अस्पताल ले जाने के लिए वाहन का प्रबंध भी किया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। मृतक के पीछे तीन पुत्र व बेटी समेत भरपूरा परिवार है।

### पौधरोपण कर हरित योग का दिया संदेश

**नांगल चौधरी।** अनाज मंडी परिसर में आयोजित खंड स्तरीय तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का समापन मार्केट कमेटी चेयरमैन रमाशंकर की उपस्थिति में हुआ। समापन अवसर पर उन्होंने वन विभाग के सहयोग से अर्जुन, नीम और बेल जैसे औषधीय पौधों का रोपण करके हरित योग का संदेश दिया। कार्यक्रम में युवाओं को गांव स्तर पर करो योग भगाओ रोग जागरूकता अभियान का आह्वान किया गया। साथ ही अंतर राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों को लेकर 19 जून को फाइनल रिहर्सल की जाएगी। उन्होंने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर एक व्यक्ति एक पौधा का संकल्प लेने की अपील की। आयुष ब्लॉक नोडल अधिकारी डॉ. ललित मोहन जोशी ने कहा कि योग आयुर्वेद और पर्यावरण एक दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। औषधीय पौधों का रोपण न केवल स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

## रक्तदाता दिवस पर दीपक को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। माता सती वेलफेयर समिति के सचिव दीपक यादव को सम्मानित करते हुए।

जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से रविवार विश्व रक्तदाता दिवस नागरिक अस्पताल के ट्रामा सेंटर में आयोजित किया गया। इस दौरान माता सती वेलफेयर समिति के सचिव दीपक यादव को 25 बार रक्तदान करने पर सम्मानित किया गया।

इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि रक्तदाता की देन ही रक्तदान है। बीते दिनों की बात करें तो युवा रक्तदान करने से झिझकता था। कई बार प्रेरित करने के बाद युवा रक्तदान करता था। माता सती वेलफेयर समिति बीते 19 साल से लगातार रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है। इस संस्था के सामने शुरूआती दौर में कई बार दिक्कतें आई। युवाओं को जागरूक किया गया और रक्तदान की पहल की जिला में शुरूआत की गई। उस दौर और अब के दौर में दिन रात का अंतर है। अब युवा रक्तदान के लिए खुद आगे आ रहे है। यहीं कारण है कि 12 माह में से अधिकांश माह में रक्तदान स्टॉक की पूर्ति रहती है। इसका लाभ मरीजों को मिल रहा है। समिति के अध्यक्ष सिकंदर गहलौ ने बताया कि उनकी संस्थान में ऐसे सैकड़ों युवा है जो अनेक बार रक्तदान कर चुके है।

## एसआईआर में 2002 के बाद बने वोटरों को नोटिस भेजकर मांगे जाएंगे दस्तावेज

**नांगल चौधरी।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं भिवानी महेंद्रगढ़ के परिवेक्षक विनय सिंह यादव ने कहा कि जीवन में सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, जो युवा लक्ष्य निर्धारित करके पूरी लगन और मेहनत से तैयारी करते हैं, वही अपने सपनों को साकार कर पाते हैं। वह नायन गांव में मास्टर जयदयाल एजुकेशन चैरीटेबल सोसायटी के तत्वावधान में आयोजित मेधावी प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों में चयनित हुए युवाओं को प्रशंसा पत्र देकर प्रोत्साहित किया। मास्टर जयदयाल एजुकेशन चैरीटेबल सोसायटी ने नायन गांव में संचालित लाइब्रेरी में पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का प्रबंध किया है। जिससे युवाओं का रुझान मोबाइल व सोशल मीडिया से हटकर पुस्तकों एवं अध्ययन की ओर बढ़ा है। उन्होंने कहा कि शिक्षित और जागरूक युवा ही समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत नींव बनते हैं।

## लुहारू, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी व दिल्ली के बीच नई ईएमयू ट्रेन की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

दैनिक रेलयात्री महासंघ ने क्षेत्र के यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों की सहूलियत के लिए रेल मंत्रालय से एक नई ईएमयू ट्रेन चलाने की मांग की है। महासंघ की ओर से इस संबंध में अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने भारत सरकार के रेल मंत्री को एक आधिकारिक मांग पत्र भेजा गया है। इस ज्ञापन के माध्यम से लुहारू, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी और दिल्ली के बीच एक नई दैनिक ईएमयू ट्रेन सेवा शुरू करने का आग्रह किया गया है। महासंघ जिला अध्यक्ष रामनिवास पाटोदा ने बताया कि लोहारू और महेंद्रगढ़ क्षेत्र के हजारों दैनिक रेल यात्री अपनी आजीविका और रोजी-रोटी के लिए रोजाना बावल, धारूहेड़ा, भिवाड़ी, आईएमटी मानेसर, गुरुग्राम और दिल्ली जैसे औद्योगिक व व्यापारिक केंद्रों में सुबह-शाम आना-जाना करते हैं। इसके अतिरिक्त, महेंद्रगढ़ में सेंट्रल यूनिवर्सिटी केंद्रीय विश्वविद्यालय होने के कारण देश के कोने-कोने से भारी संख्या में छात्र-छात्राएं यहां शिक्षा ग्रहण करने आते हैं। वर्तमान में उपयुक्त ट्रेन समयावधि न होने के कारण यात्रियों और छात्रों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

महेंद्रगढ़। स्टेशन मास्टर को ज्ञापन सौंपते हुए। फोटो : हरिभूमि

### सखी

### शिक्षा विभाग ने जारी किए निर्देश, सिर्फ गंभीर बीमारी के इलाज के मामले में मिलेगी छूट

# सरकारी कर्मी के सितंबर तक मंजूर नहीं होंगे विदेश यात्रा आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश सरकार की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में माध्यमिक शिक्षा विभाग ने हरियाणा के सभी सरकारी शिक्षण संस्थानों के लिए महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्कूल शिक्षा विभाग के अधीन कार्यरत सरकारी कर्मचारियों की विदेश यात्रा संबंधी अनुमति के लिए भेजे जाने वाले आवेदनों को सितंबर 2026 तक स्वीकृति के लिए आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। यह निर्णय मुख्य सचिव हरियाणा द्वारा जारी एडवाइजरी के आधार पर लिया गया है और इसका पालन राज्यभर के सभी सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

### प्रतिबंध केवल सामान्य विदेश यात्राओं पर

माध्यमिक शिक्षा निदेशक हरियाणा की ओर से 11 जून को जारी आदेश में कहा गया है कि मुख्य सचिव कार्यालय के 10 जून के पत्र के तहत जारी दिशा-निर्देशों एवं सलाहों के अनुरूप यह कदम उठाया गया है। आदेश के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी सरकारी विद्यालयों, जिला शिक्षा कार्यालयों, जिला मौलिक शिक्षा कार्यालयों, डाइट, बाइट, गेटी तथा अन्य संस्थानों के प्रमुख यह सुनिश्चित करेंगे कि उनके नियंत्रणाधीन किसी भी कर्मचारी की विदेश यात्रा अनुमति संबंधी फाइल सितंबर 2026 तक स्वीकृति के लिए अग्रेषित न की जाए। विभाग ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध केवल सामान्य विदेश यात्राओं पर लागू होगा। यदि किसी सरकारी कर्मचारी को गंभीर बीमारी या अन्य आवश्यक कारणों से विदेश में चिकित्सीय उपचार करवाने की आवश्यकता हो, तो ऐसे मामलों को इस प्रतिबंध से छूट प्रदान की जाएगी। मेडिकल ट्रीटमेंट से जुड़े मामलों पर नियमानुसार विचार किया जाएगा तथा आवश्यक स्वीकृति प्रक्रिया जारी रह सकेगी। शिक्षा विभाग ने सभी अधिकारियों और संस्थानों को मुख्य सचिव द्वारा जारी अन्य दिशा-निर्देशों एवं एडवाइजरी का भी कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

### जारी किए निर्देश, वेबसाइट पर आदेश अपलोड के निर्देश दिए

निदेशक माध्यमिक शिक्षा के निर्देशों पर जारी आदेशानुसार राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों (डीईओ), जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों (डीईईओ), एससीईआरटी गुरुग्राम, सभी डाइट, बाइट एवं गेटी संस्थानों के प्राचार्यों, विभागीय अधिकारियों तथा संबंधित शाखाओं को इस संदर्भ में निर्देशित किया गया है। साथ ही विभाग की वेबसाइट पर भी आदेश अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि सभी संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकें। शिक्षा विभाग के इस फैसले के बाद राज्य के हजारों सरकारी शिक्षक, अधिकारी और कर्मचारी, जो निजी अथवा अन्य कारणों से विदेश यात्रा की योजना बना रहे थे, उन्हें फिलहाल सितंबर 2026 तक इंतजार करना होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यह कदम सरकार की नीतिगत एडवाइजरी के अनुरूप उठाया गया है तथा सभी संस्थानों को इसका अक्षरशः पालन सुनिश्चित करना होगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005